



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 417]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 30, 1980/पौष 9, 1902

No. 417]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 30, 1980/PAUSA 9, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1980

सा० का० नि० 723 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, पुरावशेष तथा बहुमुख्य कलाकृति अधिनियम, 1972 (1972 का 52) की धारा 2 के खंड (स) के साथ पठित पुरावशेष तथा बहुमुख्य कलाकृति नियम, 1973 के नियम 2क के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, उन परंपरागत कलाओं, हस्तशिल्पों, रत्नों और धातुवर्णों से संबंधित मानववीथ कलाकृतियों के चिन्हें बहुमुख्य कलाकृति घोषित किए जाने की प्रस्तावना है, कलात्मक तथा सौंदर्यपरक मूल्य पर विचार करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित समिति गठित करती है :—

परम्परागत कलाओं, शिल्पों, रत्नों तथा धातुवर्णों के लिए समिति :—

1. श्रीमती पुष्प जयकर, अध्यक्ष  
सलाहकार  
हस्तशिल्प तथा हथकरघा  
वाणिज्य मंत्रालय  
11, सफवरजंग रोड, नई दिल्ली
2. श्री सी० शिवराममूर्ति,  
40, बाह्यहा रोड, नई दिल्ली
3. श्री एम० ए० बाकी,  
अमेरिकन इंस्टिट्यूट  
ग्राफ इंडियन स्टडीज, थाराणसी

4. निवेशक,  
हस्तशिल्प संग्रहालय,  
नई दिल्ली
5. निवेशक,  
राष्ट्रीय संग्रहालय,  
नई दिल्ली
6. श्री एम० एन० वेशपाडे,  
मेहूव केन्द्र,  
सातवीं मंजिल,  
बा० एनी बेसेंट रोड, मुम्बई
7. डा० यू० पी० शाह,  
48, हरिभक्ति कालोनी,  
ग्रोल्ड पावरा रोड,  
बडोदरा
8. प्रो० प्रार० एन० मेहता,  
एम० एस० यूनिवर्सिटी,  
बडोदरा
9. प्रो० भीहाररंजन राय  
प्रासाद भवन, 68/4 ए, पूर्णबास रोड,  
कलकत्ता
10. श्री नटू भाईवेरी  
द्वारा सर्वश्री विभुवनदास भीमजी भावेरी  
241-43 भावेरी बाजार,  
मुम्बई-400002

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

11. श्री लछमन दास,  
द्वारा मैसर्स कांजीमल एण्ड संस.  
ज्वेलर्स, सिधिया हाउस,  
जनपथ, नई दिल्ली

12. श्री वुम्मिडि कन्नन,  
द्वारा वुम्मिडि बांगरु चेट्टि संस.  
28, एन० एम० सी० बोस रोड,  
मद्रास-1

इस समिति की अध्यक्षता अधिभूषणा की तारीख से तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी परन्तु यह अध्यक्ष राजपत्र में अधिभूषणा द्वारा एक बार में अधिक से अधिक एक वर्ष तक खड़ा जा सकती है।

2. निदेशक (पुरातत्व) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पूर्विक समिति के संयोजक के रूप में कार्य करेंगे।

(स० 1/23/76934०)

बालकृष्ण थापर, महानिदेशक

## ARCHEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

### NOTIFICATION

New Delhi, the 30th December, 1980

**G.S.R. 723(E).**—In pursuance of rule 2A of the Antiquities and Art Treasures Rules, 1973, read with clause (b) of section 2 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972), the Central Government hereby constitutes the following committee for considering and submitting a report on the artistic and aesthetic value of human works of art relating to traditional arts, crafts, gems and jewellery proposed to be declared as art treasures :

### THE COMMITTEE FOR TRADITIONAL ART, CRAFTS, GEMS AND JEWELLERY :

1. Shrimati Pupul Jayakar, Adviser, Handicrafts and Handlooms, Ministry of Commerce, 11, Safdarjung Road, New Delhi. Chairman

2. Shri C. Sivaramamurti, 40, Shahjahan Road, New Delhi. Member

3. Shri M. A. Dhaky, American Institute of Indian Studies, Varanasi. Member

4. Director, Crafts Museums, New Delhi. Member

5. Director, National Museums, New Delhi. Member

6. Shri M. N. Deshpande, Nehru Centre, 7th Floor, Dr. Annie Besant Road, Bombay. Member

7. Dr. U. P. Shah, 48, Haribhakti Colony, Old Padra Road, Vadodara. Member

8. Prof. R. N. Mehta, M. S. University, Vadodara Member

9. Prof. Niharranjan Ray, Prasad Bhavan, 68/4A Purna Das Road, Calcutta. Member

10. Shri Natu Bhai Zaveri, C/o M/s. Tribhovan Das, Bhimji Zaveri, 341—43, Zaveri Bazar, Bombay. Member

11. Shri Lachhmandas, C/o M/s. Kanjimal and Sons, Jewellers, Janpath, Scindia, House, New Delhi. Member

12. Shri Vummidi Kannan, C/o M/s. Vummidi Bangaru, Chetty Sons 28, N.S.C. Bose Road, Madras-1. Member

The term of the committee shall not be for more than three years from the date of this notification, provided that it can be extended for not more than one year at a time by notification in the Official Gazette.

2. The Director (Antiquities), Archeological Survey of India, shall function as the Convenor of the aforesaid Committee.

[No. 1/23/76-Ant]

B. K. THAPAR, Director General